ATOMIC ENERGY CENTRAL SCHOOL, _____				
WORKSHEET-CYCLE _____				
SUBJECT-HINDI				CLASS-11
LESSON- कबीर				MODULE-2
NAME OF THE STUDENT				
ROLL NO.			DATE:	
MAX MARKS:		MARKS OBTAINED		

पद पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए- 2 x4 =8

संतो देखत जग बौराना।
साँच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।
नेमी देखा धर्मी देखा,प्रात करै असनाना।
आतम मारी पखानहि पूजै, उनमें कछु नहिं ज्ञाना॥
बहुतक देखा पीर औलिया,पढ़े कितेब कुराना॥
कै मुरीद तदबीर बतावें , उनमें उहै जो ज्ञाना।
आसन मारि डिंभ धरि बैठे, मन में बहुत गुमाना।
पीपर पाथर पूजन लाते,तीरथ गर्व भुलाना॥
टोपी पहिरे माला पहिरे,छाप तिलक अनुमाना।
साखी सबदहि गावत भूले, आतम खबरि न जाना।
हिंदू कहै मोहि राम पियारा, तुर्क कहै रहिमाना।
आपस में दोउ लरि लरि मूए, मर्म न काहू जाना।।
घर घर मन्तर देत फिरत हैं, महिमा के अभिमाना।
गुरु के सहित सिख्य सब बूड़े, अंत काल पछिताना।
कहै कबीर सुनो हो संतो, ई सब धर्म भुलाना।
केतिक कहौं कहा नहिं मानै, सहजै सहज समाना।।

(क) कबीर जग को पागल क्यों कहते हैं?
(ख) कबीर किन-किन पाखंडों का विरोध करते हैं?
(ग) कबीर ने हिन्दू और मुसलमान दोनों की किस कमी पर चोट की है?
(घ) कबीर भक्ति के लिए इस मार्ग को मानते हैं?